२३ नवंबर से एग्रोविजन कृषि प्रदर्शनी

उद्घाटन के लिए आएंगे प्रधानमंत्री मोदी और योगी

संवाददाता

नागपुर। विदर्भ में कृषि विकास की दृष्टि से आयोजित होने वाली एग्रोविजन कृषि प्रदर्शनी के शुभारंभ के लए इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आएंगे। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के अलावा असम व त्रिपुरा के मुख्यमंत्री केंद्रीय कृषि मंत्री भी प्रमुखता से उपस्थित रहेंगे। प्रदर्शनी का आयोजन २३ नवंबर से २६ नवंबर तक रेशमबाग मैदान में होगा। १०वें वर्ष के कारण इस बार इस कृषि प्रदर्शनी का दायरा व्यापक होगा।

भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पत्रकारों को बताया कि अब तक इस कृषि प्रद... में देश भर के कृषि विशेशज्ञ व मंत्री शामिल होते रहे हैं। वर्ष २०१७ में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू प्रमुख अतिथि थे। एग्रोविजन कृषि प्रदर्शनी के माध्यम से विदर्भ के किसानों को कृषि विकास के लिए शिक्षित किया जाता है। उन्नत व लाभकारी खेती की प्रायोगिक जानकारी दी जाती है। विविध चर्चा सत्र के आयोजन के माध्यम से विदर्भ में कृषि विकास को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाता है। इस बार पशु प्रदर्शनी, एग्रोधान के अलावा किसानों का गौरव एग्रोविजन अवार्ड प्रमुख आकर्षण रहेगा। २५ से अधिक विषयों पर प्रशिक्षण कार्य होगा। ५ विषयों पर विस्तृत कार्यशाला होगी। विर्दी में कृषि विकास केलिए दुग्ध व्यवसाय, मत्स्य व्यवसाय, कुक्कुट पालन, बांस की खेती व व्यवसाय के अवसरों के विषयों पर एक दिवसीय परिषद का आयोजन किया जाएगा। एग्रोविजन कृषि मंथन का आयोजन भी होगा। कृषि प्रदर्शनी की आयोजन संस्थाओं में एग्रोविजन फाउंडेशन सायटेक कम्युनिकेशन, पूर्ति उद्योग समूह, विदर्भ आर्थिक विकास परिषद व महाराष्ट्र आर्थिक विकास परिषद का समावेश है। ४०० से अधिक कृषि संसाधन से संबंधित कंपनियां शामिल रहेगी। पत्रकार वार्ता में एग्रोविजन सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ. सी.डी. मायी, सचिव रवि बोरटकर, रमेश मानकर, सांसद कृपाल तुमाने, वधायक मलिकार्जुन रेड्डी, वधायक डॉ. मिलिंद माने, पूर्व वधायक आशीष जैसवाल, जिला परिषद अध्यक्ष निशा सावरकर उपस्थित थे।

कृषि कन्वेशन सेंटर

गडकरी ने बताया कि कृषि विकास के लिए आवश्यक प्रशिक्षण व विविध कार्यक्रमों के आयोजन के लिए अमरावती मार्ग पर कृषि कन्वेशन सेंटर प्रस्तावित है। कृषि महाविद्यालय की जमीन पर बीओटी आधारन पर सेंटर बनाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की सहायता ली जागी। इस संबंध में आरंभिक चर्चा हो गई है। जल्द ही निर्णायक चर्चा होगी। अमरावती मार्ग स्थित ४३ एकड़ जमीन पर यह सेंटर तैयार करने का विचार है। इस संबंध में कृषि महावद्यालय के प्रबंधन के साथ चर्चा हुई है। जल्द ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से योजना के संबंध में चर्चा की जाएगी। राज्य सरकार की अनुमति मिलने पर प्रक्रिया को गति दी जाएगी। बीओटी आधार पर विविध कार्ययोजना को साकार किया जाएगा, लेकिन सेंटर की मालकियत कृषि महाविद्यालय की ही रहेगी। कन्वेंशन सेंटर में कृषिविकास से संबंधित कार्यक्रम, बैठकें, प्रशिक्षण शिविर व प्रदर्शनी का आयोजन होगा। वर्ष भर कृषि प्रशिक्षण के कार्य चलते रहेंगे। एग्रोविजन जैसी कृषि प्रदर्शनियों का आयोजन कन्वेंशन सेंटर में होने लगेगा। बीज प्रक्रिया व संशोधन कार्य की जानकारी मिलने लगेगी।